राजस्थान की झीलें और नदियाँ

- चंबल और माही राजस्थान की बारहमासी नदियाँ है।
- राजस्थान की नदी अपवाह प्रणाली अरावली पर्वत श्रृंखला द्वारा निर्मित है जो राजस्थान की नदियों को दो भागों में विभाजित करता है।
- इस आधार पर नदियों को 3 समूहों में बांटा गया है।

1. नदियां जो बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं

(A) चंबल नदी

- प्राचीन काल में इसे "चर्मन्यवती" कहा जाता था।
- इसका उद्भव मध्य प्रदेश के महू में मानपुर के पास जानपाओ पहाड़ियों से होता है।
- यह राजस्थान में चौरसगढ़ के पास प्रवेश करती है और कोटा और बुंदी के बीच सीमा बनाती है।
- यह सवाई माधोपुर, करौली और धौलपुर से गुज़रती है और अंततः यमुना नदी में मिलती है।
- गांधीसागर, जवाहरसागर, राणा प्रताप सागर बांध और कोटा बैराज बांध इस नदी पर बनाए गए हैं।
- बनास, कालीसिंध और पार्वती इसकी सहायक हैं।

(B) बनास नदी

- इसका उद्भव कुंभलगढ़ के पास खमनौर पहाड़ी से हुआ है।
- यह गोगुंडा पठार, नाथवाड़ा, राजसमंद, रेल मगारा, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, टोंक और सवाई माधोपुर में चंबल नदी की धारा में मिल जाती है।
- इसे 'वन की आशा' भी कहा जाता है।
- बेदाच, कोठारी, खारी, मेनल, बांदी, धुंध और मोरेल बनस नदी की सहायक नदियां हैं।

(C) काली सिंध नदी

- इसका उद्भव मध्य प्रदेश के देवास में हुआ है।
- यह झलवार और बरान जिलों से गुज़रती है और ननेरा में चंबल नदी से मिलती है।
- परवन, उजाद, निवाज और आहू इसकी सहायक नदियां हैं।

(D) पार्वती नदी

- यह मध्य प्रदेश के सिहोर क्षेत्र में निकलती है और बरान जिले में बहती है और सवाई माधोपुर के पालिया के पास चंबल नदी से मिलती है।

(E) वापानी (बह्यानी) नदी

- इसकी उत्पत्ति चित्तौड़गढ़ जिले के हरिपुरा गांव के पास हुई है और यह भाईसोडगढ़ के पास चंबल से मिलती है।

(F) मेज़ नदी

- यह भीलवाड़ा से निकलती है और बुंदी में लखेरी के पास चंबल से मिलती है।

(G) बांणगंगा नदी

- यह जयपुर जिले के बैराथ पहाड़ियों से निकलती है।
- फिर यह सवाई माधोपुर में पूर्व की ओर बढ़ती है और फिर भरतपुर में यमुना में मिलती है।

2. नदियां जो अरब सागर में गिरती है

(A) **लूनी नदी**

- यह अजमेर की नाग पहाड़ियों से निकलती है, इसके बाद यह जोधपुर, पाली, बाड़मेर, जालौर की ओर बढ़ती है और गुजरात में कच्छ के प्रवेश में करती है।
- यह लगभग 320 किलोमीटर की यात्रा करती है।
- इसका पानी बलोटारा तक मीठा है और फिर यह नमकीन हो जाता है।
- जवाई, लिलादी, मिठाड़ी, सुखाड़ी, बादी और सागी इसकी सहायक नदियां हैं।

(B) माही नदी

- यह मध्य प्रदेश के महू पहाड़ियों से निकलती है और राजस्थान में बांसवाड़ा जिले में प्रवेश करती है।
- यह बांसवाड़ा और डुंगरपुर के बीच की सीमा बनाता है और गुजरात में प्रवेश करती है और खंभात (कैंबे) की खाड़ी में अपनी यात्रा समाप्त करती है।
- माही बजाज सागर बांध का निर्माण बांसवाड़ा के पास इस नदी पर किया गया है।
- इसकी मुख्य सहायक नदियां सोमा, जैकहम, अनास, चैप और मोरन हैं।

(C) साबरमती नदी

- यह उदयपुर के पास निकलती है और सिरोही में बहती है और फिर गुजरात में प्रवेश करती है और खंभात की खाड़ी में अपनी यात्रा समाप्त करती है।
- प्रारंभिक चरण में इसे वाकल नदी कहा जाता है।

BYJU'S EXAM PREP

3. अंतर्देशीय नदियां

(A) कटाली नदी

- यह सीकर जिले की खांडेला पहाड़ियों से निकलती है।
- यह 100 किमी की यात्रा करती है और सीकर और झुनझुनू में बहती है, जो रेगिस्तानी भूमि में गायब हो जाती है।

(B) सबी नदी

- यह सेवार पहाड़ियों से निकलती है और बनासुर, बह्रोड, किशनगढ़, मांडवार और तिजेरा में बहती है और हरियाणा में गायब हो जाती है।

(C) काकेन्या अथवा ककानी नदी

- कोटारी गांव से निकलती है और कुछ दूरी की यात्रा के बाद गायब हो जाती है।

(D) घग्घर नदी

- इसे भारत की सबसे पुरानी नदी मानी जाती है जैसे सरस्वती।
- यह हरियाणा से बहती हुई हनुमानगढ़, गंगानगर सूरतगढ़ में बहती है और फिर पाकिस्तान में प्रवेश करती है।
- इसे मृत नदी भी कहा जाता है।

राजस्थान की झीलें

- राजस्थान में, झीलों को दो श्रेणियों में बांटा गया है।

1. खारे पानी की झील और
2. ताजे (मीठा) पानी की झील

- यहां इन झीलों का वर्णन दिया गया है।

1. खारे पानी की झीलें

(A) सांभर झील

- यह भारत की सबसे बड़ी अंतर्देशीय खारे पानी की झील है।
- इसे रामसर साइट का नाम दिया गया है क्योंकि यह आर्द्रभूमि गुलाबी फ्लेमिंगो जैसे प्रवासी पक्षियों के लिए एक पसंदीदा स्थल है।

- झील का कुल क्षेत्रफल 150 वर्ग कि.मी. है।
- झील में मेधा, सामोद, मंथा, रुपनगढ़ और खांडेल की पांच नदियों से पानी आता है।

(B) डिंडवाना झील

- यह नागौर जिले में स्थित है।

(C) पचपद्र झील

- यह बाड़मेर जिले में स्थित है।

(D) लुनकरनासर झील

- यह बीकानेर से 80 कि.मी. दूर लुनकरनासर में स्थित है।
- कुछ अन्य प्रसिद्ध खारे पानी की झील फलोदा, कुचमन, कोवाड़, कच्छोर, रेवासा आदि हैं।

2. ताजे (मीठा) पानी की झील

- राजस्थान में पानी की कमी के कारण, यह ताजे पानी की झील राजस्थान के लोगों के लिए वरदान का कार्य करती है।
- राजस्थान की कुछ महत्वपूर्ण ताजे (मीठे) पानी की झीलें निम्नलिखित हैं।

जयसमंद झील

- इसे 1685 से 1691 तक गोमती नदी पर बांध बांधकर महाराणा राजसिंह ने बनाया था।
- यह उदयपुर से 51 कि.मी. दक्षिण पूर्व में स्थित है।
- इसे ढेबर झील भी कहा जाता है।
- यह राजस्थान की सबसे बड़ी प्राकृतिक झील है।

राजसमंद झील

- 1662 में महाराणा राजसिंह ने इसका निर्माण किया था।
- इन झीलों के किनारे पर कई शिलालेख हैं जो मेवाड़ के इतिहास के बारे में बताते हैं।

पिछोला झील

- इसमें दो द्वीप हैं।
- एक में जग मंदिर (मंदिर) है और दूसरे में जग निवास नाम के महल हैं।

फतेहसागर झील

- इसका निर्माण उदयपुर शहर के पास महाराणा फतेह सिंह ने किया था।

अनासागर झील

- यह अजमेर में अनाजी द्वारा बनाया गया था।
- इसके किनारे पर "दौलतबाग" नामक एक बगीचा है।

पुष्कर झील

- यह पहाड़ों से घिरे अजमेर जिले में स्थित है।
- यह एक धार्मिक स्थान है।

सिलिसेढ़ झील

- यह अलवर जिले में अरावली श्रेणी के बीच स्थित है।
- कुछ अन्य प्रसिद्ध झील नवलखा झील (बुंदी), कोलायत झील (बीकानेर), शिवसागर (डुंगरपुर), गलता और रामगढ़ (जयपुर), बालसमंद झील (जोधपुर), कैलाना झील (जोधपुर) हैं।